कंपनी में कटी हाथ की 4 अगुलियां, ईएसआईसी बना सहारा

- ईएसआईसी अस्पताल से हुआ पूरा उपचार
- पीड़ित ने बताया ईएसआईसी हितलाभ से जुड़ा संस्मरण

कुमार प्रवेश, गुड़गांव टुडे

पीडित को हितलाभ प्रमाण पत्र देते हुए।

गुरुग्राम। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के हितलाभों को लेकर अब नियोक्ता जागरूक हो रहे है। किसी भी बीमारी व दुर्घटना के दौरान अब निजी अस्पताल जाने के वजाय ईएसआईसी के अस्पतालों में जाना पसंद कर रहे है। जिले में बीमारी से लाचार एक ईएसआईसी से बीमित व्यक्ति का सफल उपचार हुआ है। पीडित पूर्ण सिंह ने बताया कि वे उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में बीमा संख्या-6924 46 664599 संख्या से पंजीकृत है। वर्तमान में सरस्वती एन्क्लेव सेक्टर-37 गुरुग्राम में रहता है। उनका गांव सिकरौदा जो मध्यप्रदेश में है। पारिवारिक जिम्मेदारी व रोजगार की तलाश में उन्हें अपना गांव छोड़ना पड़ा। रोजगार के लिए दिल पर पत्थर रखकर वे दिल्ली आ गए। जहां से गुड़गाँव में एक कंपनी में बतौर हेल्पर कार्य करने लगा। एक दिन काम करते हुए अचानक ही मशीन में गड़बड़ी की वजह से उनकी बाएं हाथ की चार उँगलियाँ मशीन में फंस गई तथा कट गई। ऐसे में उन्हें ईएसआईसी का सहारा मिला। जिसके कारण न उनका सफल इलाज हुआ बल्कि अपंगता हितलाभ के रूप में लगभग रु.3900/- प्रति माह पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। ईएसआईसी हितलाभ के कारण ही आज वे 67 वर्ष की उम्र में अपना व अपने परिवार का भरण-पोषण कर पा रहा है।

पीडित ने इसके लिए ईएसआईसी व इसके अधिकारी व कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है। वही ईएसआईसी के उप क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख सुनील यादव ने बताया जल्द ही नियोक्ताओं को ईएसआईसी के हितलाभों को लेकर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

केवल यहीं नहीं एक बार उनकी पत्नी की तबियत खराब हुई जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के लिए भारी भरकम खर्चा आया। एक सहकर्मी ने उन्हें मरीज को ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। हमें ईएसआईसी बीमा संख्या उपलब्ध कराया गया।

लिहाजा गंभीर हाल में उनकी पत्नी का ईएसआईसी अस्पताल में सफल इलाज हुआ। जहां इलाज के साथ उनकी पत्नी को खाना एवं दवाई-गोलियां मुफ्त उपलब्ध कराई गई।